

نظیری

نظیری (na.zi.ri)، نعیم جان، فرزند ارسلان، اوراتپہ ۱۹۳۶م - ، شاعر تاجیکستانی. در ۱۹۵۹م رشته زبان و ادبیات فارسی تاجیکی را در دانشگاه دولتی تاجیکستان به انجام رساند. در مجله خارپشتک، رادیوی تاجیکستان و روزنامه راه کمونیسم اوراتپہ کار کرده است. از دوره دانشجویی سرودن شعر را آغاز کرد. در اشعار هجوی و شعر کودکان دست دارد. شعرهای او در کتاب های خوشه ها (۱۹۷۱ م)، گل قیچی (۱۹۸۰ م)، راز دل (۱۹۸۳ م) و بقای عمر (۱۹۸۷ م) آمده است. نظیری در ۱۹۷۵م عضو اتحادیه نویسندگان شوروی شد.

منابع: تذکرة الشعراء عبدی، ۲۴۵ - ۲۴۶؛ ادیبان تاجیکستان، ۲۷۸ - ۲۸۰؛ خوشه ها، سرسخن باقی رحیم زاده، دوشنبه، ۱۹۷۱م؛ دایرة المعارف ادبیات و صنعت تاجیک، ۴۱۴/۲ - ۴۱۵؛ دایرة المعارف شوروی تاجیک، ۷۱/۵؛ سلطان سعید عمر، «سنگش قلم»، صدای شرق، شماره ۱۰، صص ۱۵۱-۱۵۳؛ سعید علی مأمور، «خوشه های امید»، همان جا، ۱۹۷۱م، شماره ۹، ص ۱۵۵.

قبادیانی

ادب فارسی در آسیای میانه / ۹۳۷

Назирӣ

Назирӣ, Наимҷон, фарзанди Арслон, Ёротеппа 1936 - , шоири тоҷикистонӣ. Дар 1959 риштаи забон ва адабиёти форсии тоҷикиро дар Донишгоҳи давлатии Тоҷикистон ба анҷом расонд. Дар маҷаллаи “Хорпуштак”, радиои Тоҷикистон ва рӯзномаи “Роҳи коммунист”-и Ёротеппа кор кардааст. Аз давраи донишҷӯӣ сурудани шеърро оғоз кард. Дар ашъори ҳаҷвӣ ва шеъри кӯдакон даст дорад. Шеърҳои ӯ дар китобҳои “Хӯшаҳо” (1971), “Гули қайчӣ” (1980), “Рози дил” (1983) ба “Бақои умр” (1987) омадааст. Назирӣ дар 1975 узви Иттифоқи нависандагони шуравӣ шуд.

Манбаъҳо: Тазкират-уш-шуарои Абдӣ, 245-246; Адибони Тоҷикистон, 278-280; Хӯшаҳо, Сарсухани Боқӣ Раҳимзода, Душанбе, 1971; Энциклопедияи адабиёт ва санъати тоҷик, 2/414-415; Энциклопедияи шуравии тоҷик, 5/71; Султон Саидумар, “Санҷиши қалам”, “Садои Шарқ”, шумораи 10, сс. 151-153; Сайидалӣ Маъмур, Хӯшаҳои умед, ҳамон ҷо, 1971, шумораи 9, с. 155.

Қубодиёни

Донишномаи адаби форсӣ. Адаби форсӣ дар Осиёи Миёна. –
Техрон: Интишороти вазорати фарҳанг ва иршоди исломӣ, 1380, ҷ. 1,
саҳ. 937.